समर्पण 2015

त्याग, सेवा व सहयोग

समर्पण संस्था (रजि.)

पंजीकृत कार्यालय : 192/38 कुंभा मार्ग, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर (राज.) 302033
मोबाईल : 9414336431, 9929225353,
E-mail: info@samarpansanstha.org
Website : www.samarpansanstha.org

आधुनिक डिजाइनों में वास्तुशास्त्रानुसार रिहायशी, वाणिज्य औद्योगिक, संस्थानिक

भवनों के नक्शे

A-One Architects (P) Ltd.

.... a creative thought

Planning

Designing

Supervision

Construction of Buildings

D.R. Malya
Architect

PROPOSED A-ONE ARCHITECTS (P) LTD.
Office at :
Plot No. 18-B, Shree Kalyan Nagar,
Kartarpura, Jaipur-302006 (Raj.)

Head Office : 37, Shree Kalyan Nagar, Dhobi Mod, Kartarpura, Jaipur-302006
Unit Office : 192/38, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur -302033
Phone : 0141-2501563, Mobile : 9414336431, 9929225353
Website : www.aonearchitects.com • E-mail : malyaaone@gmail.com
www.facebook.com/malyaaone

P.O.P. CONTRACTOR

Designer of False Ceiling, Gypsum Ceiling
Corners Design, Bidding Work etc.

Ram Raj Singh

Plot No. 33, Ganeshpuri Colony, Khatipura Road, Jaipur
Contact : 9636197546, 9549255493

CIVIL CONTRACTOR

Suresh Kumar Bairwa

Village Lakwas Ki Dhani Post Nimbodiya, Teh. Chaksu,
Distt. Jaipur (Raj.) Mob. : 9001337255

धन कमाओं लेकिन उसे समाज को लौटाना भी जरूरी है।

धन, पूंजी, माया, जर इस जगत के सर्वाधिक चर्चा, विवादित व महत्त्वपूर्ण विषय रहे हैं। दुनिया में सबसे जटिल विषय है पैसा, पैसा अच्छा है या बुरा ? कोई कहता है पैसा सभी बुराईयों की जड़ है तो कोई कहता है यह तो मेहनत का फल है और एक सुखी जीवन के लिए पैसों की बहुत जरूरत होती है। पैसों के जितने विरोधी है उतने समर्थक भी है। भारत में अरबपतियों की संख्या हर वर्ष बढ़ती जा रही है और अधिकतर भारतीय पूंजीपति सामाजिक दायित्वों से आंख मूंदकर दिनोंदिन तिजोरियों की भराई तेज करते जा रहे हैं तो दूसरी ओर बिल गेट्स विदेश से भारत में आकर गरीबों में शिक्षा के प्रसार व स्वास्थ्य के लिए बेशुमार दौलत दान में दे रहा है। एक ओर पैसे के लिए गला काट होड़ चल रही है, अमीर और अमीर होता जा रहे है, महलनुमा मकानों व मंदिरों में अकूल धन दौलत जमा की जा रही है। तो दूसरी और श्रीलंकाई मूल के मलेशियाई अरबपति व्यापारी का प्रतिभाशाली युवा बेटा सारी धन दौलत का त्याग कर बौद्ध भिक्षु बनकर प्रेम, दया, कल्याण व ज्ञान के मार्ग पर चल पड़ता है। धन की लीला को आज तक कोई समझ नहीं पाया है न इसकी परिभाषा पढ़ पाया है लेकिन इतना तो तय है कि मनुष्य के जीवन में धन का होना बहुत जरूरी है। हर कदम पर पैसे की जरूरत पड़ती है इसके बिना मुश्किलें खड़ी हो जाती है और सारे आदर्श, उद्देश्य व सपने चकनाचूर हो जाते हैं। भारतीय समाज का एक वर्ग व धर्मगुरू धन के मामले में पाखंडी व ढोंगी के रूप में पेश आते हैं व दोहरा जीवन जीते हैं। कहते कुछ है और करते कुछ और है आम व्यक्ति भी पैसों को ठोकर मारने की आदर्शवादी बाते करता है लेकिन व्यवहारिक जीवन में बारह महीनों, बत्तीसों घड़ी और दशों दिशाओं में मन से, वचन से और कर्म से पैसा कमाने में जुटा रहता है हमारे कथित धर्मगुरू सोने के सिंहासन पर बैठकर सादगी के उपदेश देकर ढोंग करते है। अपने उपदेशों में वे माया को मोहिनी व ठगिनी बता कर भोली जनता को आदेश देते हैं कि वे अपनी सारी माया को गुरु के चरणों में डाल दे तो उनका कल्याण हो जाऐगा।

मनुष्य जीवन में धन का महत्त्व, इसे कमाने के ढंग तथा धन को खर्च व दान करने का सही व्यवहरिक व मानव कल्याण का रास्ता बुद्ध, कबीर व डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर ने बहुत ही अच्छे ढंग से बताया है। गौतम बुद्ध ने गरीबी का गुणगान नहीं किया बल्कि कहा गरीबी सबसे बड़ा रोग है, यह सारे दुखों की जननी है। उन्होंने भूख, गरीबी, दरिद्रता व अभावों के जीवन से मुक्ति का मार्ग बताया है। उन्होंने मेहनत, ईमानदारी व न्यायसंगत ढंग से दान करने को कहा। बुद्ध ने यह भी कहा कि मनुष्य धनी बनें लेकिन धन के गुलाम नहीं बनें। आरोग्य सबसे बड़ा सुख तथा लालच से परे संतोष सबसे बड़ा धन है। बुद्ध ने कहा सबसे बड़ा सुख शरीर का निरोग होना हैं इसके बाद गृहस्थ के पास सम्पत्ति का सुख होता है। ऐसी सम्पत्ति जिसे वह मेहनत, श्रम, पसीना बहाकर, ईमानदारी व न्यायसंगत ढंग से कमाता हो। उस गृहस्थ को यह सोचकर प्रसन्नता होती है कि उसके पास ईमानदारी से अर्जित किया हुआ धन है ऐसी सम्पत्ति को भोगने का भी सुख होता है और धन का खर्च परिवार की खुशहाली के लिए व पुण्य कार्य में करता है। इसके अलावा कर्ज से मुक्त होने का भी बड़ा सुख है जिस गृहस्थ को किसी का कोई कर्ज नहीं देना होता है। उसे यह सोचकर प्रसन्नता होती है कि उस पर किसी का कर्ज नहीं है।

बुद्ध ने कहा धन कमाना चाहिए लेकिन एक मधुमक्खी की तरह जो दिन भर हजारों फूलों के शहद निकालती है लेकिन फूलों को कोई नुकसान नहीं करती है उल्टा उन्हें लाभ पहुँचाती है। उन्होने बताया कि धन कमाने के लिए हर गृहस्थ को बिना आलस्य किये सर्दी, गर्मी, बारिश, धूप आदि की परवाह किए बिना परिवार के भरण पोषण के लिए धन कमाना चाहिए। अनैतिक व नाजायज ढंग से धन नहीं कमाना चाहिए ऐसे धंधों से दुर रहना चाहिए, जो शील व सदाचार की बजाय कुटिल व दुराचार में सहायक होते हैं इसके लिए बुद्ध ने नशीले पदार्थों का व्यापार, बीड़ी सिगरेट, तम्बाकू, पान मसाला, गुटखा, हथियारों का व्यापार, विषैली चीजों का व्यापार आदि के लिए सख्त मना किया है।

अजीविका जायज ढंग से और किसी भी हिंसा का शोषण किए बिना कमानी चाहिए। दूसरों को कष्ट देकर, धोखा देकर, श्रम का जायज भुगतान किए बिना धन कमाना न्याय संगत ढंग नहीं है।

बुद्ध ने कमाये धन का सही उपयोग करने पर भी बहुत जोर दिया। उन्होंने कहा कि अपनी कमाई को चार भागों में बांटकर, एक भाग को परिवार के भरण पोषण में खर्च करना चाहिए। दूसरा व तीसरा भाग अपने व्यापार धंधे को लगाने व बढ़ाने में खर्च करना चाहिए तथा चौथा भाग भविष्य की सुरक्षा के लिए बचाकर रखना चाहिए। उन्होने सलाह दी कि आमदनी को परिवार, सगे संबंधियों, व्यापार के कर्मचारियों, मित्रों और समाजसेवा व आध्यत्मिक साधना में लगे लोगों में बांटना चाहिए। धन कमाने का उद्देश्य परिवारिक व सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए होना चाहिए न कि धन को एक जगह इकट्ठा करने के लिए। धन को बटोर कर, इकट्ठा कर परिग्रह करने से चोरी, रिश्वत, भ्रष्टाचार, झूठ, रुपये आदि को बढ़ावा मिलता है इसलिए मनुष्य को बुराइयों व पाप कर्मों से बचने के लिए परिग्रही होना चाहिए अर्थात जरूरत से ज्यादा धन संग्रह नहीं करना चाहिए। धन को जमा करने से धन का सुख नहीं मिल सकता है। सुख तो धन को मानव कल्याण के लिए खर्च करने पर ही मिलता है।

धन को पाने के लिए धन दान दें। हमेशा अमीर या खुशहाल रहने की यह बढ़िया तकनीक है। जो लोग धन कमाकर अच्छे कामो में, मानव कल्याण के लिए दान देते हैं तो स्वाभाविक रूप से उनके पास पैसा आता रहता है। जब आप पैसे के साथ स्वयं उदार होते हैं और दूसरों को दान देते समय अच्छा महसुस करते हैं तो आप प्रकृति को यह संकेत भेजते है कि मेरे पास बहुत पैसा है इसलिए अपनी कमाई का कुछ भाग दान दें। दान का बड़ा महत्त्व है। दान और शील के पालन से हमारे मंगल भवन की नीव मजबूत होती है। यदि एक हाथ से दान दें तो दूसरे हाथ को पता नहीं लगना चाहिए। तो भी लालची व्यक्ति दान नहीं देते हैं कंजूस लोग जीवन भर धन जोड़ते रहते हैं दान नहीं करने वाले व्यक्ति का जमा किया हुआ धन उसके कोई काम नहीं आता है और अंत में चोर लूटेरे ले जाते हैं वह खुद भी उसका उपयोग नहीं कर पाता है। दुनियाँ में आज अनेक अरबपति लोग अपनी कमाई का काफी बड़ा भाग दान देते रहते है। दान देने से धन कभी नही घटता है जैसे बहती नदी में से कोई चीड़िया के चोंच भरकर पानी लेने से नदी का पानी कम नहीं होता है।

हर कोई चाहता है कि उसकी जिंदगी खुशहाल हो। खुशहाली कई तरीके से आती है यदि शरीर खुशहाल है तो उसे स्वास्थ्य या आराम कहते हैं। यदि मन खुशहाल है तो इसे शांति कहते हैं। इसका अगला स्तर आनंद है। भावनाएँ खुशहाल है तो इसे परमानंद कहते हैं। परमानन्द, आपको चाहिए खुशी और आंनद, और आप मानते है कि पैसों से यह खरीद सकते है। पैसा बाहरी खुशहाली जुटाता है, यह आंतरिक खुशहाली और आनंद नही दे सकता। आपके पास बहुत सारा पैसा है तो आप फाइव स्टार होटल में खाना खा सकते है लेकिन यदि आप शरीर, मन भावना या ऊर्जा के स्तर पर खुश नहीं हैं तो आप मजा नहीं ले पाऐंगे। लेकिन ये चारो आयाम खुशहाल है तो आप एक पेड़ की छाया का भी उतना ही आनंद ले सकते हैं जितना कि एक फाइव स्टार होटल का। जीवन में पैसों का बहुत महत्त्व है लेकिन पैसा सिर चढ़कर बैठ जाए तो दुःख व परेशानिया ही आऐगी। पैसा जेब में ही रहे तो बेहतर है यदि वह दिल और दिमाग में आ जाता है तो दुःखदायी हो जाता है।

जो व्यक्ति अपने धन, समय, हुनर, ज्ञान व श्रम का दान करते है वे ''बैक टू सोसायटी'' का पालन करते हैं। ऐसे लोगों को जमाना लंबे समय तक याद करता है। वरना शोषण करने वाले कंजूस अरबपतियों को तो गालिया ही मिलती है।

समर्पण संस्था द्वारा मानव मात्र के कल्याण के लिए की जा रही गतिविधियाँ बहुत सराहनीय है जिसके लिए संस्थापक अध्यक्ष श्री डी.आर माल्या बधाई व साधुवाद के पात्र है। इनके प्रयासों से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, आर्थिक, विकास, व्यसन मुक्ति, पक्षी दया, ध्यान, साधना, शांति के क्षेत्र में अनूठे प्रयास किये जा रहे हैं जो हमारे लिए प्रेरणा स्त्रोत है। मैं संस्था के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ तथा उम्मीद करता हूँ कि संस्था मानव कल्याण की राह में संस्था सक्रिय भागीदारी निभाती रहेगी।

डॉ. एम.एल. परिहार

मानव सेवा के पथ पर 5 वर्ष

संस्थापक अध्यक्ष की कलम से .....

समर्पण संस्था की स्थापना सन 2009 में कुछ मित्रों द्वारा मिलकर की गई जो आज बड़ा रूप ले चुकी है। मानव जीवन का सार दुसरों की भलाई में ही निहित है। हमें जीवन में जो भी मिला है ईश्वर की कृपा से प्राप्त हुआ है। जो तन–मन–धन प्राप्त है उसे मानव सेवा के लिए समर्पित करने का संकल्पित प्रयास ही समर्पण संस्था है।

समर्पण संस्था द्वारा पिछले पाँच वर्षों में मानव हितार्थ विभिन्न गतिविधियों के लगभग 45 कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें रक्तदान शिविर, सरकारी स्कूल के बच्चों को नि:शुल्क अंग्रेजी शिक्षा, निरक्षर महिलाओं को साक्षर करना, निर्धन बच्चों को शिक्षा सहायता उपलब्ध करवाना, नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, पक्षियों के लिए पानी के परिण्डे लगाना, सामाजिक बुराईयों के खात्में के लिए प्रदर्शन आदि प्रमुख कार्यक्रम रहे।

इस संस्था से जुडे सभी सम्मानित सदस्यों को मैं बहुत धन्यवाद देता हूँ तथा आभारी भी रहा हूँ कि वे संस्था से जुड़कर इन पुनीत कार्यों में सहयोगी बने। ईश्वर से मेरी प्रार्थना है कि ''हे प्रभु ! इन सदस्यों को तन से निरोग, मन से निर्मल एवं माया से सम्पन्नता देना, ताकि ये मानवता की सेवा में बढ़–चढ़कर हिस्सा ले सकें तथा अपना जीवन सार्थक कर सकें।''

इससे पूर्व सन् 2010 में संस्था की स्मारिका ''समर्पण 2010'' प्रकाशित की गई थी। इस स्मारिका में शुरू से अब तक की गई सभी गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रकाशित किया जा रहा है।

जब हम धन कमाते हैं तो घर में चीजें आती है लेकिन जब हम दुआऐ कमाते हैं तो धन के साथ खुशी, सेहत, प्यार भी आता है। हम जीवन को कितना जीते हैं यह महत्त्पूर्ण नहीं है लेकिन किस भाव से जी रहे हैं यह बहुत महत्त्वपूर्ण है। जीवन में सेवा भाव होना ही जीवन की सफलता की पहली निशानी है। इन्सान को जन्म तो प्रकृति से मिलता है लेकिन उसे कर्म से ही पहचान मिल पाती है। कहा है कि –

''औरों के हित जो जीता है, औरों के हित जो मरता है ।
उसका हर आँसू रामायण, प्रत्येक कर्म गीता है।।

मानव सेवा करने वाले व्यक्तियों के रास्ते में हमेशा नई ऊर्जा का संचार होता रहता है। जरूरतमंद, असहाय पीड़ीत मानवता के प्रति करूणा व दया का भाव ईश्वर के प्रति हमारा कर्त्तव्य है। इस संसार में हमारा मूल कर्त्तव्य सह प्राणियों की मदद व सेवा करना है। अन्त में यही कहा जा सकता है। कि

''बने सहारा बे सहारों के लिये, बने किनारा बे किनारों के लिये,
जो जिए अपने लिए तो क्या जिए, जी सके तो जीयो, हजारों के लिए।

विश्व की मंगल कामना के साथ..... जय मंगल।

– दौलत राम माल्या

आनन्द के लिए परमार्थ

मुख्य संरक्षक की कलम से .....

मानव जीवन की सार्थकता तब ही बन पाती है। जब हम नि:स्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा व सहयोग करें। आज हमारे समाज में ऐसे कई मासूम बच्चे है। जो निर्धनता की वजह से अच्छी शिक्षा गृहण नहीं कर पाते हैं! उन बच्चों को शिक्षित करके समाज की मुख्यधारा से जोड़ना सबसे बड़ी सेवा है। जीवन में धन कभी आनन्द नहीं देता है लेकिन जब हम उसी धन को दूसरों की सेवा के लिए खर्च करते हैं, उस धन से दूसरो का जीवन निर्माण करते हैं तो वह हमें आनन्द देता हे।

आज हमारे देश में बहुत विकास हुआ है। लेकिन अभी बहुत काम बाकी है। उस कार्य के लिए एक छोटा सा प्रयास समर्पण संस्था है। समर्पण संस्था द्वारा अब तक किये गये कार्य सराहनीय है। यदि इसी तरह समाज का हर नागरिक राष्ट्र की प्रगति में सहायक बने तो देश की एक नई तस्वीर बन सकती है।

भलाई के कार्य करना हमारे इन्सान होने का भी प्रमाण हैं। यदि इन्सान में इन्सानियत नहीं है तो वह एक तरीके से पशु समान ही समझा जायेगा।

वर्तमान समय में हर कोई अच्छी–अच्छी बाते तो जरूर कर लेता है। लेकिन व्यवहारिक जीवन में बहुत ही कम देखने को मिलता है। आज व्हाट्सअप, फेसबुक, ट्विटर आदि सोसियल साइट्स पर भी अच्छी बाते लिखी व पढ़ी जा रही है। लेकिन जब तक उस पर स्वयं कार्य न करें सब व्यर्थ ही है।

समाज से यदि सामाजिक बुराईयों, अंधविश्वास, जातिवाद, निर्धनता जैसे अन्धकार को मिटाने के लिए हमें स्वयं दिया बनकर जलना होगा। तभी हम समाज का भला कर सकते हैं। इसके लिए जो हमें तन–मन–धन मिला है, इसका समर्पण जरूरी है।

संस्था के सभी सदस्यों को इन परोपकारी कार्यो के लिए बहुत बधाई व धन्यवाद।

– सतीश खुराना

सेवा, सहयोग एवं समर्पण की भावना

संस्थापक सचिव की कलम से .....

सेवा, सहयोग एवं समर्पण की भावना से ओतप्रोत हर वह व्यक्ति जो मानवता के हित में काम करता है, करना चाहता है वास्तव में वही व्यक्ति इंसान है। आपने देखा होगा अपने लिए सब जीते हैं हर जीव अपने लिए जीता है किन्तु पृथ्वी पर इंसान ही ऐसा प्राणी है जो अपने साथ दूसरों के लिए भी जीता है। और यही इंसानियत है। किन्तु वह इस इंसानियत को किस प्रकार प्रकट करता है वह हर इंसान का अपना अलग तरीका होता है और इसी तरीके को अपनाते हुए समर्पण संस्था का गठन आप सबके सहयोग से हुआ है। आप सभी को व्यक्तिगत ना सही किन्तु संस्था के सहयोग से मानव सेवा का एक मौका मिला है। उसे अपने जीवन के कुछ समय में से समय निकालकर जन सेवा करने में जो आनन्द है। वह अकेले जीने में नहीं है। किसी जरूरतमंद की मदद करने और उसके द्वारा कहे गये शब्दों को सुनने के बाद जो अनुभूति होती है। उसका आनन्द अपने और उस जरूरतमंद के जीवन पर अलग–छाप छोड जाता है। चाहे वह जरूरतमंद भविष्य में आपके काम आये या नहीं। किन्तु आपने तो निःस्वार्थ भाव से उसकी मदद की है।

श्री कृष्ण ने भी गीता में कहा है! ''हे मनुष्य तु कर्म करते जा फल की चिंता मत कर''
यह भी कहा है! जो हुआ है अच्छा हुआ है, जो हो रहा है, वह अच्छा हो रहा है
जो होगा अच्छा होगा, तु व्यर्थ की चिन्ता मत कर।

किन्तु मानवता के नाते एक जरूरतमंद असहाय, पीड़ित जीव की की गई सेवा व्यर्थ नहीं जाती है, स्वर्ग और नर्क यही इसी धरती पर है और आप उसे जीते जी ही देख लेते हैं। अब आप उसे किस नजरिये से देखते हो, यह आप पर निर्भर करता है। मेहनती को सफलता जरूर मिलती है चाहे देर कितनी भी लगे।

हमे मंजिल पर पहुँचने के लिए स्वयं ही कदम बढ़ाना होगा, राह के पत्थर को स्वयं ही दूर हटाना होगा दूसरा कौन साथ देगा, अपनी मंजिल को स्वयं ही तय करना होगा।

मिल जाये राही तो सफर आसान होगा
फिर भी मंजील पाने के लिए चलना तो होगा।

मीठे बोल, सुनने वाले के जीवन में मधुरता लाते हैं, किन्तु कड़वे प्रवचन, मानने वाले के जीवन को ही बदल देते हैं। हमे मनुष्य सेवा में गरीब जरूरतमंदों, पीड़ितों को सहयोग, पूर्ण समर्पण भावना से करना चाहिए। समर्पण संस्था एक ऐसा मंच है जहाँ से आप इसकी शुरूआत कर सकते हैं, इसी भावना के साथ आप सेवा, सहयोग समर्पण के लिए सादर आमंत्रित हैं।

सुनीता बैरवा

CIVIL CONTRACTOR

All types of Building Construction Work

Rajendra Kumar Bairwa
Mob. : 9950929871

Village Hanumanpura, Post-Khijuriya,
Teh.-Bassi, Distt.-Jaipur (Rajasthan)

पूजा

प्रोपर्टीज एण्ड डवलपर्स

मकान, दुकान, भूखण्ड, फार्म हाऊस के क्रेता-विक्रेता एवं कमीशन एजेन्ट

शंकरलाल बैरवा
9414069082
8094836068

ऑफिस : डी-19, पूजा टॉवर, 80 फीट रोड़, महेश नगर, जयपुर-302015
E-mail : poojaproperties@rediffmail.com

SANDSTONE CONTRACTOR

Hari Singh Jhhangiya

Specialist In :
Dholpur Stone, Sandstone Complete Fitting Works

Aama Garh, Delhi Bey-pass, Transport Nagar, Jaipur
Contact : 9828258241, 9610107867

समर्पण प्रार्थना

समर्पण की भावना हो, ऐसा जीवन जी पाएं।
करें तन मन धन अर्पण, ऐसा जीवन जी पाएं।

मानवता को धर्म मानें, इन्सानियत को जाने,
सबसे मिलके चलना हम, सदा जीवन में अपनाएं।
समर्पण की भावना.....

प्यार की बात तो मुख पर, निन्दा नफरत करें ना हम,
नम्रता हो दया करुणा, सभी का दर्द समझ पायें।
समर्पण की भावना.....

निभायें नाता सबसे हम, मीठे बोल नित बोलें,
प्रेम जीवन में बस जाये, सादगी को हम अपनाएं।
समर्पण की भावना.....

न समझे ऊँच कोई नीच, सबको गले लगाये हम,
समझ के यह जहाँ अपना, सबके दिल में बस जायें।
समर्पण की भावना.....
तर्ज :- दया कर दान भक्ति का .....

समर्पण संस्था (रजि.)

..... मानवता के लिए समर्पित

एक परिचय

''समर्पण संस्था'' एक रजिस्टर्ड संस्था है जो जरूरतमन्द बच्चों को गोद लेकर उन्हें शिक्षा मुहैया करवाती है। संस्था के सभी पदाधिकारियों का सामाजिक क्षेत्र में अपना एक स्थान व मुकाम है। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष श्री दौलत राम माल्या एवन आर्किटेक्ट्स (प्रा.) लि. के निदेशक हैं जो जयपुर शहर व राजस्थान में अनेक रिहायशी, वाणिज्य, संस्थानिक, व्यवसायिक भवनों के नक्शे डिजाइन कर निर्माण करवा चुके हैं। वर्तमान में कम्पनी का कार्य प्रगति पर है। श्री माल्या सन्त निरंकारी मिशन में सहायक जन-सम्पर्क अधिकारी के रूप में भी सेवा दे रहे हैं।

संस्था के मुख्य संरक्षक श्री सर्ताश खुराना जयपुर के प्रसिद्ध उद्योगपति है तथा गौरव पेट्रोकेम (प्रा.) लि. के निदेशक हैं। इसके साथ ही वे फाल्को लुब्रीकेन्ट कम्पनी के राजस्थान वितरक हैं। संस्था के अन्य पदाधिकारी भी समाज सेवा में निरन्तर अग्रसर रहते हैं।

संस्था के उद्देश्य

शिक्षा एवं सामाजिक विकास

- गरीब बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा देना।
- महिला शिक्षा/साक्षरता अभियान चलाकर समाज में व्याप्त कुरीतियों को मिटाने, अन्धविश्वासों, जातिवाद आदि के खात्में के लिए जागरूकता लाना।
- आध्यात्मिक जागरूकता का प्रयास करना। समस्त कार्यों के लिये जन जागरूकता अभियान, शिविर, संगोष्ठियाँ, रेलियाँ तथा प्रशिक्षण शिविरों एवं विधिक शिविरों का आयोजन करना।

मानवाधिकार

महिलाओं, बच्चों, दलितों व असहाय लोगों के अधिकारों के लिये पैरवी करना एवं जागरूकता लाना
प्रशासनिक तन्त्र के साथ मिलकर कार्य करना

स्वास्थ कार्यक्रम

- एड्स, टी.बी., कैंसर आदि बीमारियों के प्रति जागरूक करना।
- रक्तदान शिविर, नेत्र चिकित्सा शिविर, सामान्य जाँच एवं चिकित्सा शिविर आदि का आयोजन करना।
- भ्रूण हत्या, नशाबन्दी आदि पर कार्यक्रम आयोजित करना।
- स्वच्छता अभियान चलाना।

पर्यावरण

- पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम करना।
- वृक्षा-रोपण, जल-संरक्षण, मृदा-संरक्षण, अक्षय ऊर्जा, पवन ऊर्जा आदि के लिये कार्य करना।

आर्थिक विकास

- सरकारी योजनाओं का आमजन तक लाभ पहुँचाना।
- कृषि योजनाओं व उन्नत कृषि की जानकारी देकर लाभ दिलवाना।
- बेरोजगार युवक/युवतियों को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देकर लाभ दिलवाना, स्वयं सहायता समूहों का निर्माण कर लाभ दिलाना।
- कच्ची बस्ती वासियों व बेघर लोगो के पुनर्वास के लिए कार्य करना।
- उपरोक्त समस्त कार्यों के लिये जन जागरूकता अभियान, शिविर संगोष्ठियाँ, रैलियाँ तथा प्रशिक्षण शिविरों एवं विधिक शिविरों का आयोजन करना।

कार्यकारिणी सदस्य

समर्पण 2015

Sh. Daulat Ram Malya
(President)
9414336431

Sh. Ram Prasad Lodiya
(Vice President)
9414051161

Smt. Sunita Devi
(Secretary)
9636562345, 9672490810

Sh. Ramawatar Nagarwal
(Treasure)
9928010564, 9314845994

Sh. Vijay Anand Sharma
(Deputy Secretary)
9929133886

Smt. Rama Dhirendra
(Education-Incharge)
9828212561

Smt. Daka Devi
(Member)
9351141494

Smt. Kiran Devi
(Member)
9468587551

Smt. Nitesh Raj Sharma
(Member)
9352208193

Sh. Madan Lal Kewal
(Member)
9929927558

Sh. Madan Lal Verma
(Member)
9414442285, 9887039011

Sh. Suresh Sharma
(Member)
9828946182

Sh. Jagdish Sharma
(Member)
9828536060

Smt. Manju Bairwa
(Member)
9314789644

संरक्षक सदस्य

समर्पण 2015

Sh. Satish Khurana
(Industrialist)
9829065288, 9314924328

Sh. Yogesh Bhatnagar
(Industrialist)
9829059060

Sh. Gyarsa Ram Ji
(Civil Contractor)
9312908771, 9811352833

Sh. Pramod Sharma
(Shrinath Travels)
9828011333, 9214311333

Sh. Jagdish Prasad Bairwa
(J.P. Construction Company)
9829284582

Sh. Dinesh Kumar Sharma
(Sukriti)
9314501608

Sh. Vijay Anand Sharma
(Mavic & Vishwakarma Moorti Arts)
9929133886

Sh. Gopal Bairwa
(Civil Contractor)
9928056156

Sh. Lokesh Sharma
(Industrialist)
9414041028

Smt. Rama Dharendra
(Social Worker)
9829212561

Sh. Arvind Sidana
(Arvind Motor Company)
9829012793

Sh. Sunil Kumar Jain
(C & F Ayur)
9829013025

Sh. Om Prakash Verma
(Business Men)
9829216065

Sh. Kajod Mal Bairwa
(Civil Contractor)
9351492514

Sh. Harish Chandra Mahawar
(Civil Contractor)
9887250618, 9887755700

Sh. Brij Raj Kundra
(Business Men)
9950400006

Sh. Mukesh Jaiman
(Business Men)
9829000397

Sh. Bhagwan Sahai Bairwa
(Plumber Contractor)
9829405406

Sh. Roop Narayan Yadav
(Business Men)
9602719840, 9414339612

Sh. Manish Sharma
(Civil Contractor)
9529555575, 9829357065

Sh. Hukum Raj Bairwa
(Civil Contractor)
9461785528

Colonel S.S. Shekhawat
(Rtd. Colonel Indian Army)
9929987903

विशिष्ट सदस्य

Sh. Kanaram Kumawat
(Civil Contractor)
9414070366

Sh. Gajanand Meena
(IRS)
9953756456

Sh. Ram Gopal Sharma
(Business Men)
9414063753

Sh. Manish Sharma
(Industrialist)
9829107108

Sh. Brij B. Gupta
(Jai Gauri Projects Pvt. Ltd.)
9414079680

Sh. Ram Swaroop Mahawar
(Civil Contractor)
9950114038, 8561804307

Sh. Suresh Kumar Bairwa
(Civil Contractor)
9001337255

Sh. Babu Lal Ji Prajapati
9829790196

समर्पण संस्था

Sh. Hemant Patni
(Builder)
9314505750 9314186417

समर्पण संस्था

Sh. Laxmi Kant Meena
(Property Dealer)
9414068718

विशिष्ट सलाहकार

Sh. Deepak Mahaai
9414202020
(Documentary Director)

Sh. Dinesh Pamami
9352213457
(Industrialist)

Smt. Bela Khurana
9529982748
(Social Worker)

Dr. Dinesh Kumar Bairwa
9414257824
Medical Officer Nefrology Dept. SMS Hospital

Sh. Shardanand Tahilani
9828277650
(Social Worker)

Sh. Sunil Kumar
9887258977
(Editor, Diksha Darpan)

Sh. Gaurishankar Bairwa
9314939112
(Architect)

Sh. Ashok Kumar Sharma
9413963905
(Designer Print Media)

Adv. Ramdayal Bairwa
9772490810

Swami Baba Bharti
8890359635

Mr. Shafi Mohammed Qureshi
(Retd. RAS)
9829999982

Sh. Chandra Shekhar Kaushik
(Journalist)
9672977797

Sh. Kripa Sagar
(Press Incharge, SNM)
9910270387

Sh. Bhoop Ram Sharma
(Principal)
9460062401

Mr. Liyaquat Ali Khan
(Retd. I.P.S.)
9829013366

Sh. R.K. Arya
(R.A.S.)
9414336163

Sh. Laxmi Narain Meena
(I.P.S.)
9414007555

Sh. Rakesh Kumar Bairwa
(Social Worker)
9829829828

Harbhajan singh malhotra
9460067003

सम्मानीय सदस्य

Sh. Mool Chand Bairwa
9829475937

Sh. Madan Lal Mahawar
9950114039

Sh. Ram Das Katare
9828262233
9694012793

Sh. Nirmal Singh Yadav
9828781976

Sh. Ramniwas Bairwa
9414337482
9571431189

Sh. Rakesh Kumar Bairwa
9214825403

Sh. Braj Mohan Bairwa
9887936986
8561965512

Sh. Ram Dayal Gothwal
9414337480

Miss Yashashvi Gupta
7742186057
9414079680

CA. Shailendra Agarwal
9314412945

Sh. Bhagwan Shai Bairwa
9636571241

Sh. Kishan Kumar Basetiya
8003183651

Sh. Madan Lal Verma
9887039011
9414442285

Sh. Gauri Shankar Nirankari
9649778589
9314939112

Sh. Shankar Lal Bairwa
9414069082
8094836068

Sh. Babu Lal Chopdar
9602247508
9887529034

Sh. Hari Singh Jhajiya
9828258241

Sh. Chiranjee Lal
9314405026

Sh. Mohan Singh Jatav
9602826804

Sh. Mukesh Kumar Jangid
9461070103

Sh. Rajendra Kumar Bairwa
9950929871

Sh. Ramraj Singh
9636197546

Sh. Ratan lal Tatiwal
9928444157

Sh. Ramdhan Nirankari
9928871511

Mr. Shafi Mohammed Qureshi
9829999982

Sh. Ravindra Kumar
9694681663

Sh. Rameshwar Yadav
9828408360

Sh. Shankar Lal Bairwa
9828167272

Sh. Sanjeet Kumar Kushwaha
9001417694

Sh. Lal Chand Kumawat
9982740406

Sh. Girdhari Lal Kumawat
9950023041

Sh. Santosh Kumar
9828010559
9414042650

Sh. Ramawtar Bairwa
9509666655

Sh. Ram Gopal Bairwa
9829498214

Sh. Damodar Prasad Gupta
9829059152

Sh. Rakesh Kumar Sancheti
9413692116

Sh. Ashok Gajrawat
9828660300

Sh. Vimal Sahay
9887783376

Sh. Raju Singh
9602269803

Sh. Manish Kumar
9649412032
9001838157

Miss. Teena Kumawat
9549636333

Sh. Dipendra Agarwal
8104590111

Sh. Hemraj Bairwa
9680225880

Dr. R.N. Verma
9950194837

Sh. Virendra Kumar Sharma
9784212022

Sh. Naresh Kumar Bairwa
9414435692

Mr. Chhotu Khan
9887098984

Sh. Ramesh Chand Bairwa
9785160842

CA. Ankit Jain
9001441444

समर्पण संस्था

Sh. Kishan Lal Yadav
9928387610

समर्पण संस्था

Sh. Prabhati Lal Bairwa
9929236407

विद्यार्थी सदस्य

समर्पण 2015

Sh. Mahipat Meena
9636868139

Sh. Praveen Yadav
8003800855

Sh. Hanuman Yadav
8233857076

Sh. Deepak Yadav
9782261091

Sh. Sikender Yadav
9782160216

Sh. Suresh Bairwa
8890912472

Sh. Trilok Chand Bairwa
9571223681

Sh. Hemraj Dhawan
9782310691
9950339923

Shrikant Lakwal
9667229818
9928198189

Er. Lokesh Bairwa
8003747499
8559952322

Sh. Rahul Verma
8387908617

Sh. Attam Prakash Bairwa
9784193422
8107096303

Sh. Mohit Kumar Jain
7737484713

Sh. Devesh Vyas
9461455009

Sh. Anil Kumar Swami
9694663910

Sh. Anurag Jain
7737013827

Sh. Rajendra Kumar
8875522400

Sh. Mayank Hada
9887935757

Sh. Rakesh Chaudhary
9509816327

Sh. Anant Vats
9529548979

Sh. Suresh Soni
8947821047

Sh. Ashok Kumar Bairwa
8560835380

Sh. Prakash Bairwa
8003205355

Sh. Khushi Ram Bairwa
8963848100

Sh. Devashish Charan
9772765847

Sh. Om Prakash Bairwa
9982003350

आध्यात्मिक कवि सम्मेलन

'समर्पण संस्था व सन्त निरंकारी मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में "आध्यात्मिक कवि सम्मेलन" का आयोजन 4 अक्टूबर 2009 को हसनपुरा, जयपुर में संस्था के पंजीकरण से पूर्व किया गया।

31 अक्टूबर 2009

समर्पण संस्था की वेबसाइट
www.samarpansanstha.org
का शुभारम्भ करते हुए
माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत इस मौके पर श्री गहलोत ने संस्था द्वारा किये गए कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की तथा उन कार्यक्रमों की काफी सराहना की।

22 नवम्बर, 2009

संस्था के सदस्यों द्वारा संस्था के प्रधान कार्यालय पर आयोजित संगोष्ठी में प्रदेश को हरा–भरा करने का आह्वान तथा जरूरतमंद बच्चे खोजने के लिए दस सदस्यों की एक बच्चा खोज समिति का गठन किया गया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक श्री सतीश खुराना ने कहा कि 'समाज के प्रति तन–मन–धन समर्पित करें।

17 जनवरी, 2010

शिक्षा के लिए 18 बच्चों को गोद लिया गया। मुख्य अतिथि शिक्षाविद् श्री दीपक महान ने कहा कि शिक्षा को रोजगार के साथ न जोड़ें बल्कि इसका उद्देश्य सेवा, सहयोग, समर्पण होना चाहिए।

जयपुर मैराथन

24 जनवरी 2010 संस्कृति युवा संगठन की ओर से आयोजित जयपुर मैराथन में समर्पण संस्था के सदस्य जयपुर के विकास व मानवता के लिए दौड़ लगाते हुए।

21 फरवरी, 2010

सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत निर्धन बच्चों को वैश्विक भाषा अंग्रेजी में निपुण करने के लिए "निःशुल्क अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र" की स्थापना, समर्पण शिक्षा केन्द्र प्लाट नं. 368, दयानन्द नगर, फेज–प्रथम, झालाना डूँगरी, जयपुर में की गई। निःशुल्क अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र के उद्घाटन पर संस्था के मुख्य संरक्षक श्री सतीश खुराना ने कहा – समाज के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है।

1 अप्रैल 2010
(महिला शिक्षा की शुरुआत)

संस्था द्वारा 'समर्पण शिक्षा केन्द्र' झालाना डूँगरी में निरक्षर महिलाओं को साक्षर करने के लिए महिला शिक्षा कार्यक्रम का उद्घाटन स्थानीय पार्षद श्री देवेन्द्र सिंह शंटी ने किया।

शिक्षा ही जीवन

समर्पण शिक्षा केन्द्र में शिक्षा प्राप्त करती हुई महिलाऐं व अवलोकन करते हुए संस्था के अध्यक्ष श्री दौलत राम माल्या।

25 अप्रैल, 2010
(पक्षियों के लिए परिंडे)

समर्पण संस्था के सदस्यों ने झालाना डूँगरी स्थित पार्क में गर्मी से बेहाल पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करने के उद्देश्य से परिंडे लगाये।

3 मई, 2010
(समर्पण जल सेवा)

समर्पण संस्था की ओर से 3 मई, 2010 को कुंम्भा मार्ग, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर में जल सेवा (प्याऊ) का उद्घाटन किया गया।

13 मई, 2010
श्रद्धांजलि

समर्पण संस्था के सदस्यों द्वारा 13 मई, 2010 को जौहरी बाजार, जयपुर में बम विस्फोट में ब्रह्मलीन दिव्य आत्माओं की शांति के लिए अश्रुपूरित श्रद्धांजलि दी गई

5 जून, 2010

पर्यावरण – दौड में समर्पण संस्था

समर्पण संस्था सदस्यों ने विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2010 को पर्यावरण सुरक्षा के लिए जयपुर के प्रसिद्ध अल्बर्ड हॉल से पर्यावरण प्रेमी सथियों दौड़ लगाई।

1 जुलाई, 2010
योग शिविर

समर्पण संस्था द्वारा प्रताप नगर स्थित टैगोर भारती सीनियर सैकण्डरी स्कूल प्रांगण में 1 जुलाई से 31 जुलाई तक एक योग शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन उद्योगपति श्री दिनेश परनामी ने किया।

आत्म अनुशासन - बनाता है - सन्तुलित जीवन

8 अगस्त, 2010
वृक्षारोपण कार्यक्रम

रविवार 8 अगस्त, 2010 को समर्पण संस्था द्वारा औद्योगिक क्षेत्र के एक्सपोर्ट प्रमोशन इण्डस्ट्रीयल पार्क के सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। संस्था सदस्यों ने पौधारोपण कर उनके देखभाल करने का संकल्प लिया।

समर्पण संस्था सदस्य सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र के एक्सपोर्ट प्रमोशन इण्डस्ट्रीयल पार्क में सदस्य वृक्षारोपण करते हुए।

15 अगस्त, 2010
स्वतंत्रता दिवस पर
झण्डारोहण कार्यक्रम

समर्पण संस्था के कार्यालय पर 15 अगस्त, 2010 को स्वंतत्रता दिवस पर झण्डारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था में अध्ययनरत बच्चों को प्रमाण–पत्र भी वितरित किये गये। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंधक श्री बी.एल. बुनकर एवं विशिष्ट अतिथि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक श्री बी.आर. मीणा थे।

29 अगस्त, 2010
रक्तदान शिविर

समर्पण संस्था सदस्यों ने संस्था द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में उत्साह के साथ मानवता के लिये रक्तदान किया। शिविर का आयोजन संतोकबा दुर्लभजी ब्लड बैंक के सहयोग से किया गया।
शिविर का उद्घाटन स्थानीय पार्षद श्रीमती उर्मिला नावरिया ने किया।

जयपुर मैराथन का आयोजन

समर्पण संस्था के सदस्यो द्वारा 23 जनवरी 2011 को जयपुर मैराथन में सेवा, सहयोग एवं समर्पण की भावना से भाग लिया।

समर्पण संस्था सदस्यों ने बाँधें प्यासे पक्षियों के लिए परिण्डे।

समर्पण संस्था द्वारा दिनांक 1, मई 2011 को सदस्यों ने गर्मी से बेहाल पक्षियों के लिए संस्था के प्रधान कार्यालय के सामने प्रताप नगर, सैक्टर–192 के पार्क नं 2 में परिण्डे बाधें। इस अवसर पर संस्था के सभी सदस्य मौजूद थे। सदस्यों ने परिण्डें बांधकर उनमें पानी व दाना डालने का भी संकल्प लिया।

हाबी क्लासेज 2011 का शुभारम्भ

समर्पण संस्था द्वारा 30 जून 2011 को गरीब बच्चो हेतु निःशुल्क हॉबी क्लासेज शुरू की गई । जिसमें गरीब बच्चो को अंग्रेजी शिक्षा का ज्ञान दिया गया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

सर्मपण सस्था सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण के तहत वृक्षारोपण किया। जयपुर 17, जुलाई 2011 समर्पण संस्था सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण के तहत संस्था के प्रधान कार्यालय के सामने प्रताप नगर, सैक्टर–192 के पार्क नं 2 में वृक्षारोपण किया।

स्वतन्त्रता दिवस 2011

स्वतन्त्रता दिवस 2011 कार्यक्रम का आयोजन समर्पण संस्था के कार्यालय पर समर्पण संस्था के सदस्यों के द्वारा प्रातः 9.00 बजे किया गया। इस मौके पर सरंक्षक सदस्य श्री सतीश खुराना के द्वारा झण्डारोहण किया गया।

भ्रष्टाचार के विरोध में रैली।

देश में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में श्री अन्ना हजारे दिल्ली में अनशन पर बैठे। अन्ना हजारे के समर्थन में समर्पण संस्था द्वारा 21 अगस्त 2011 मोमबत्ती जलाकर जवाहर सर्किल से गौरव टॉवर तक रैली निकाली गई।

रक्तदान शिविर 2011

समर्पण संस्था की पहल पर सेवा, सहयोग, एवं समर्पण की भावना से जन सहयोग के लिए रक्तदान शिविर 06 अक्टूबर 2011 समर्पण संस्था द्वारा कॉक्स एण्ड किंग्स होटल, जयपुर के सहयोग से आयोजित किया। इस रक्तदान शिविर में 46 यूनिट रक्त सन्तोकबा दुर्लभ जी ब्लड़ बैंक, जयपुर की टीम ने जरूरत मंदो के लिए एकत्र किया।

दीपावली स्नेह मिलन समारोह 2011

समर्पण संस्था द्वारा 11 नवम्बर 2011 को संस्था सदस्यों के साथ दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया । जिसके अन्तर्गत समाज में सामाजिक कार्यो को प्रोत्साहन देने वाले समाज सेवकों एवं कई समाज सेवियो जिन्होने निःस्वार्थ भाव से जन सेवा की है और कर रहे है उन्हे संस्था द्वारा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी के सहयोग से सामूहिक भोज का आयोजन किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह 2012

समर्पण संस्था द्वारा 26 जनवरी 2012 को संस्था कार्यालय पर गणतंत्र दिवस मनाया गया । इस अवसर पर समाज में सेवा, सहयोग एवं समर्पण की भावना से जन सहयोग के लिए कार्य करने वाले कार्यकताओं को संस्था द्वारा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम 2012

समर्पण संस्था की पहल पर सेवा, सहयोग, एवं समर्पण की भावना के साथ दिनांक 08 अगस्त 2012 को जन सहयोग से पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण किया गया ।

स्वतंत्रता दिवस समारोह 2012

समर्पण संस्था द्वारा 15 अगस्त 2012 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया । इस अवसर पर समाज में सेवा, सहयोग एवं समर्पण की भावना से जन सहयोग के लिए कार्य करने वाले कार्यकताओं को संस्था द्वारा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

रक्तदान शिविर का आयोजन

समर्पण संस्था द्वारा सेवा, सहयोग एवं समर्पण की भावना से जन सहयोग के लिए रक्तदान शिविर 21 अक्टूबर 2012 को संस्था कार्यालय पर आयोजित किया। इस रक्तदान शिविर में 18 यूनिट रक्त सन्तोकबा दुर्लभजी ब्लड़ बैंक, जयपुर की टीम ने जरूरतमंदो के लिए एकत्र किया।

मैराथन का आयोजन 2013

समर्पण संस्था के सदस्यों द्वारा समाज के असहाय एवं पीड़ित लोगों की सहायता हेतु जागरूकता अभियान के तहत जयपुर मैराथन का आयोजन किया गया। मैराथन की शुरूवात रामनिवास बाग से हुई जो जवाहर लाल नेहरू मार्ग से होते हुए जवाहर सर्किल पर समाप्त हुई।

गणतंत्र दिवस समारोह 2013

समर्पण संस्था द्वारा 26 जनवरी 2013 को समर्पण संस्था के प्रधान कार्यालय पर गणतंत्र दिवस समारोह आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के सभी सदस्य एवं समाज के गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुवात ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ की गई।

समर्पण संस्था द्वारा पक्षियो हेतु परिंडे बांधे गये।

ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए समर्पण संस्था के सदस्यों द्वारा दिनांक 6 मई, 2013 को पक्षियों के पीने हेतु पानी की सुविधा करने के उद्देश्य से प्रताप नगर स्थित पार्क में परिंडे लगाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें संस्था के सदस्यों ने बढ़–चढ़कर बडे उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

समर्पण संस्था द्वारा प्याऊ का लोकार्पण

समर्पण संस्था के सदस्यों द्वारा गर्मीयों के सीजन को ध्यान में रखते हुए आम जनता को ठंडे पानी की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्याऊ का लोकार्पण किया गया। जिससे राहगीरों को ठंडा एवं स्वच्छ जल पीने हेतु मिल सके।

प्याऊ का लोकार्पण संस्था के अध्यक्ष एवं माननीय सदस्यों की उपस्थिति में श्री बाबा भारती द्वारा फीता काटकर किया गया। प्याऊ के संचालन हेतु संस्था द्वारा वहाँ पर एक महिला कर्मचारी की नियुक्ति की गई जिससे वहाँ पर आने वाले राहगीरों को दिनभर ठंडा एवं स्वच्छ जल प्राप्त हो सके।

निःशुल्क जाँच एवं दन्त चिकित्सा शिविर का आयोजन

समर्पण संस्था द्वारा रविवार, दिनांक 16 जून, 2013 को त्रिवेणी डेन्टल क्लिनिक के सहयोग से निःशुल्क दन्त चिकित्सा एवं जाँच शिविर का आयोजन किया। जिसमें काफी मात्रा में दन्त रोग से पीड़ित लोगों ने जाँच करवाकर चिकित्सा एवं परामर्श का लाभ प्राप्त किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह 2013

15 अगस्त, 2013 को समर्पण संस्था द्वारा स्वतन्त्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कर्नल एस.एस. शेखावत तथा विशिष्ट अतिथि बाबा भारती, श्री रूप नारायण यादव, श्री किशन लाल यादव आदि थे। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ हुई ध्वजा रोहण के पश्चात् सभी को एक पौधा उपहार स्वरूप दिया गया।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर एड्स जागरूकता कार्यक्रम

समर्पण संस्था द्वारा नवयुवक, नवयुवतियों को "एचआईवी/एड्स जानकारी ही बचाव है" विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 26 जनवरी 2014 को डॉ0 भीमराव अम्बेडकर स्नात्कोत्तर महाविद्यालय, महेश नगर, जयपुर में आयोजित किया गया।

निःशुल्क जाँच एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन

समर्पण संस्था द्वारा दिनांक 27 अप्रैल, 2014 को डॉ. के.के. शांण्डिल्य के सहयोग से निःशुल्क जाँच एवं चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें काफी लोगों ने डायबिटिज एवं ब्लडप्रेशर आदि की जाँच करवाकर चिकित्सा परामर्श प्राप्त किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह 2014

समर्पण संस्था द्वारा 15 अगस्त 2014 को संस्था कार्यालय पर स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रम की शुरुवात ध्वजारोहण के साथ की गई इस शुभ अवसर पर संस्था के सभी सदस्य एवं समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

समर्पण संस्था द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम

समर्पण संस्था द्वारा प्रताप नगर स्थित पार्क में दिनांक 24 अगस्त 2014 को वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि क्षेत्रिय पार्षद श्रीमती रामा शर्मा एवं संस्था सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण किया गया व वृक्षों की नियमित देखभाल कर अपने आस–पास अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया।

समर्पण संस्था के सदस्यों की वार्षिक संगोष्ठी

समपर्ण संस्था सदस्यों द्वारा 4 दिसम्बर 2014 को वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संस्था सदस्यों ने संस्था द्वारा आयोजित होने वाले आगामी कार्यक्रमों के विषय में विचार – विमर्श किया एवं रूपरेखा तैयार की।

जयपुर मैराथन का आयोजन

समर्पण संस्था सदस्यों द्वारा रविवार, दिनांक 25 जनवरी 2015 को मैराथन का आयोजन किया गया। काफी सर्दी एवं कोहरा होने के बावजूद भी संस्था सदस्यों ने काफी उत्साह के साथ मैराथन में हिस्सा लिया। मैराथन रामनिवास बाग से शुरू होकर जवाहर लाल नेहरू मार्ग से होते हुए जवाहर सर्किल पर समाप्त हुई।

गणतंत्र दिवस कार्यक्रम 2015 का आयोजन

समर्पण संस्था द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन संस्था प्रधान कार्यालय पर किया गया।

समर्पण संस्था द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

समर्पण संस्था एवं स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 15 फरवरी 2015 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती रामा शर्मा एवं बगरू विधानसभा क्षेत्र विधायक श्री कैलाश वर्मा उपस्थित थे, जिसमें महिलाओं एवं पुरुषों द्वारा कुल 61 युनिट ब्लड एकत्रित किया गया।

24 मई, 2015 पक्षियों के लिए परिण्डे लगाये गये।

मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था द्वारा तपती गर्मी से बेहाल पक्षियों के लिए रविवार प्रातः 7:30 बजे समर्पण संस्था कार्यालय के सामने संस्था के सदस्यों द्वारा 192/38, सेक्टर–19, प्रताप नगर के पार्क नं0–2 व 195 सेक्टर के खड्डे वाले पार्क में परिण्डे बांधे गये।

इस अवसर पर संस्था सदस्यों के अलावा पार्षद श्रीमती रामा शर्मा, समाजसेवी श्री राकेश बैरवा, वरिष्ठ नागरिक, गणमान्य व्यक्ति एवं बच्चे भी मौजूद रहे।

Onus Design

3D View | **Interior View**

Complete Architect Work

Mukesh Kumar Jangid
Mob. : 9461070103

Office Address : Plot No. 52-53, Janakpuri-I, Imli Phatak, Jaipur

Bainiwal Construction Company

Bhagwan Sahay Bairwa
Mob. : 9636571241

Village Kishanpura, Post Kacholiya, Teh. Bassi, Distt. Jaipur

सेवा

✍ राकेश खेडा (दिल्ली)

आज समाज में भिन्न–भिन्न प्रकार की सेवा की जा रही है लेकिन विचारणीय विषय यह है कि सेवा किस भाव से की जा रही है, अगर सेवा करके हम कामना रखते हैं तो सेवा निःस्वार्थ भाव से नहीं मानी जाती। अगर सेवा करके कोई फल की इच्छा नहीं है, तब यह परोपकार की भावना मानी जाती है। लेकिन विडम्बना यह है कि संसार में अधिकतर सेवा का प्रारूप निहित स्वार्थ से भरा होता है। कई लोग सेवा इस आशय से करते हैं कि मेरा नाम का प्रचलन हो। मेरी शौहरत हो, झूठी शान व शौकत को मद्दे नज़र रखते हुए समाज में सेवा करते हैं। इस सेवा में स्वार्थ की बदबू आती है। जब सेवा के साथ कोई अच्छाई जुड़ जाती है तब सेवा का मूल भाव खत्म हो जाता है, कई धर्म स्थानों पर देखा गया है कि कोई धन से सेवा करता है तो वहाँ उसका नाम बोला जाता है, जब नाम घोषित करने का भाव मन में मौजूद हो तो फिर निरिच्छत भाव कहाँ रहता है?

कई इन्सान ऐसे भी देखे गये हैं जिन्हें इस बात का पता ही नहीं होता कि मैं जो सेवा कर रहा हूँ, इसका फायदा किसे पहुँचेगा, उनमें निष्काम भाव होता है। सेवा करके खुशी मिल रही होती है, जिस प्रकार कई स्वयं सेवी संस्थाओं द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान करने वाले इन्सान स्वयं को खुशनसीब समझते हैं, उन्हें इस बात से कोई सरोकार नहीं होता कि हमारा दिया हुआ रक्त किसे फायदा करेगा? ऐसे लोग रक्त देकर किसी की जान बचाकर स्वयं को खुशनसीब समझते हैं, वे अपने स्वास्थ्य या उम्र की परवाह नही करते। ऐसे लोग धन्यता के पात्र होते हैं।

सेवा का बीज कभी व्यर्थ नहीं जाता, अगर हम अनचाहे मन से भी सेवा करते हैं तो भी व्यर्थ नहीं जाता है। जिस प्रकार एक किसान अपने खेत में गेहूँ बीजने के लिए बीज को ले जा रहा होता है, बोरी फटी हुई है और बीज जमीन पर गिर जाता है, जहाँ वो बीज डालना भी नहीं चाहता था लेकिन बीज गिर रहा है। जहाँ–जहाँ बीज गिर रहा है वहाँ–वहाँ भी फसल विकसित होगी। भाव यह है कि अगर हम ना चाहते हुए भी सेवा करते हैं तो भी परमात्मा हमारे खजाने भर देता है। यदि हम भावना से सेवा करते हैं तो यह सेवा और भी उत्तम मानी जाती है, जो सेवा हम करते हैं, कई पीढ़ियाँ उस सेवा का सुख लेती हैं।

इतिहास की तरफ निगाह डालें तो पता चलता है कि जिन्होंने सेवा का बीज डाला वो शाह बन गये। भक्त हनुमान जी का अगर हम नाम है तो सेवा के कारण ही है। भगवान श्रीराम की निष्काम

सेवा के कारण ही हनुमानजी को जाना जाता है। आज भारत में भगवान श्रीराम की बजाय हनुमान जी के अधिक मन्दिर हैं, प्रभु अपने भक्तों का नाम स्वयं प्रकट करते हैं, बशर्ते कि सेवा निष्काम–निरिच्छत हो लेकिन आज संसार में नि:स्वार्थ सेवा का भाव कम देखने को मिलता है। जैसे आज संसार में देखा जाता है। कि लोग मन्नत मांगते हैं कि 'ऐ भगवान तू मेरा यह कार्य कर दे, मैं सौ रुपये का प्रसाद बाटूंगा, अर्थात् प्रसाद तो बाटूंगा लेकिन काम होने पर यह सेवा नहीं एक सौदा है। लेकिन भक्त प्रभु से सौदा नहीं करते, निष्काम व निरिच्छित भाव से सेवा करते हैं, कहीं भी कोई मुसीबत में नज़र आये, प्राकृतिक आपदा जैसे भूकंप, बाढ़, सुनामी ऐसा भयंकर संकट की घड़ी में आज भी लोग बिना किसी स्वार्थ के सेवा के लिए अपना हाथ बढ़ाते हैं। ऐसे लोगों के मन में इन्सानियत के प्रति दर्द है, मानवता का दर्द लेकर ही सेवा करते हैं। इनके मन में सेवा के फल की कामना नहीं होती है।

वास्तव में सेवा का फल सेवा ही होता है। सेवा के बदले गर हम कामना करते हैं या फल की इच्छा करते हैं तो हमें भी उसी रूप में सेवा का फल मिलता है। जिस रूप में हमने किसी की सेवा की होती है। जिस प्रकार एक भिखारी को भिख देकर अगर हम उसके बदले में फल की इच्छा करें तो एक दिन हमें स्वयं भिखारी बनकर भिख लेनी होगी। सड़क पर बूढ़े इन्सान को अगर आपने सड़क पार करवा दी, लेकिन साथ ही फल की इच्छा भी कर ली तो हमें स्वयं बूढ़ा बनकर उसी सड़क के मोड़ पर खड़ा होना पड़ेगा। एक रोगी का इलाज करवाकर फल की इच्छा रखना, इस स्थिति में हमें भी रोगी बनना पड़ेगा यदि हम सेवा के इस फल पर विचार करेंगे तो हरगिज हम बदले में सेवा स्वीकार नहीं करेंगे। इसलिए बेहतर यही है कि हम निष्काम भाव से सेवा करें, किसी की सेवा करें तो तुरन्त भूल जायें। केवल परमात्मा का शुक्र करें कि हमें इस काबिल बनाया है कि हम किसी के काम आ पाये। इसलिए सेवा करते हुए कभी भूलकर भी स्वयं को श्रेष्ठ न समझें, हमेशा परमात्मा को ही श्रेय दें कि ऐ प्रभु! आपके द्वारा ही प्रदान की गई वस्तु मानव मात्र को सेवा के रूप में समर्पित की जा रही है, इससे मन में अकर्ता भाव रहेगा, हमेशा इसी भावना से मानवता की सेवा करते जायें।

दलित और सिर्फ दलित

रामदयाल बैरवा
(एडवोकेट)

आज यह जवलन्त सत्य है कि 21वीं सदी में भी दलित अपनी पहचान बनाने में बड़ी मेहनत कर रहा है। दलित और वह भी हिन्दू दलित आज के दौर में शिक्षित होते हुए भी दोहरे परिवेश में जी रहा है। एक तरफ तो वह शिक्षित होकर भी उसी ऐतिहासिक कार्य को करने पर मजबूर है। वही सारे साफ सफाई के कार्य, जो दलित करता है यदि एक दिन भी नही करे तो गांव, शहरों की गलियाँ सड़ जाये।

हिन्दू धर्म में गाय को पूज्य माना जाता है, उसका दूध सभी धर्मो के लोग बड़े चाव से पीते हैं। किन्तु उसके कटने–मरने पर उसको फैंकने के लिए उसी दलित भाई को याद किया जाता है।

राजनीति में देखा जाये, सरकारी नौकरी में देखा जाये, बिजनिस मैन के रूप में देखा जाये तो कितने दलित राजनीति में है, वे है तो केवल रिजर्व सीट पर है, यदि रिजर्व सीट ना हो तो किसी भी दलित को जीतकर नहीं आने दिया जाए है। देश की राजनीति में बिना रिजर्व सीट से जीतने वाले लोगों की संख्या देखी जाये तो वह 0.02 प्रतिशत है जो भी अपने दम पर या अपनी काबिलियत के दम पर आते हैं।

इतिहास को पलटकर देखें तो पहले राजनीति में लोग एक अच्छे समाजसेवी, साफ छवी वाले लोकप्रिय व्यक्ति को चुनते थे। किन्तु आज राजनीति में इसका उल्टा है क्योंकि राजनैतिक पार्टियाँ स्वयं ही ऐसे व्यक्ति को टिकट देती हे जो लोगों में ज्यादा प्रसिद्ध है चाहे वह व्यापारी हो या क्रिमिलन और दो नम्बर का कारोबारी हो जो चुनावों में अनाप सनाप धन खर्च कर सकता है। आज की राजनीति में वोट को खरीदा जाता है। दलितों के पास ना तो पैसा होता है और ना ही लोग उन्हें पसन्द करते हैं। आज भी लोगों की मानसिकता में रचा बसा है कि वह किसी दलित को अपना नेता नहीं मानते हैं यह उनकी मजबूरी है कि वे रिजर्व सीट पर जीतकर आये हैं तो वे कुछ नहीं कर सकते है। देखा गया है रिजर्व सीट पर जनरल सीट की तुलना में वोटिंग भी कम होती है। लोग दलित नेता के चुनाव में रूचि ही नहीं लेते हैं। आज की स्थिति के वनिस्पत दलित अग्रेंजो की गुलामी के दिनों में ज्यादा खुश थे अंग्रेज चाहे कैसे भी रहे हो वे सभी भारतीयों को एक सा मानते थे यानि सभी को समान दृष्टि से देखते थे।

आजादी से पहले भी कई नेताओं ने दलितों की भलाई के लिए आन्दोलन चलाए, महात्मा गांधी ने मेहतर को हरीजन शब्द से सम्बोधित किया – 1932 में पुना पैक्ट में डॉ. अम्बेडकर ने सभी दलितों को हिन्दु समाज का अभिन्न अंग माना तथा हिन्दु महासभा के नेताओं मदनमोहन मालवीय और वीर सवारकर ने दलितों को हिन्दु मानते हुए उनके उत्थान के लिए आन्दोलन चलाए।

1946 में भारत की आजादी के लिए बने केबिनेट में हिन्दु, मुसलमानों के साथ दलितों के लिए भी अलग से प्रतिनिधि रखा गया। इसलिए इस हिन्दु व्यवस्था व सामाजिक व्यवस्था के कारण संविधान में दलितों के लिए अलग आरक्षण की व्यवस्था की गयी सामाजिक स्तर पर जो भेदभाव हो रहा है वह राजनैतिक स्तर पर भी उभरकर सामने आया और इस असमानता को कुछ हद तक कम करने के लिए रिजर्व सीट की व्यवस्था दी गई।

आजादी के बाद दलितों को अधिकार दिलाने के लिए 1955 में Protection of Civil Right Act. 1955 संसद द्वारा पारित किया गया। जो छुआछूत, भेदभाव, जातिवाद को सामाजिक स्तर में समानता करने के लिए है उक्त PCR Act 1955 संविधान के Article 17 को ध्यान में रखकर बनाया गया किन्तु हिन्दू समाज के लोगो की संकीर्ण मानसिकता जो ऐतिहासिक रही है वह हजम नहीं हो रहा था। कानून बनने के बाद भी व्यवस्थाऐं तो जस की तस रही PCR Act 1955 के प्रभावी रूप से लागू ही करवाने में व्यवस्थापिता नाकाम रही, और 1989 में SC/ST Act./1989 संसद में पारीत किया गया। किन्तु आज भी यदि देखा जाये तो मानो कितने मामले इस PCR, SC/ST Act में दर्ज होते हैं और दर्ज होने में भी है तो संकीर्ण मानसिकता के लोग उस मामले को दबाने के लिए अपराधी होते हुए भी विधायक, सांसद, मंत्रियों तक की सिफरिशों से मामले को दबाते हैं। यानि की जो नेता मंत्री है वह ज्यादा भ्रष्ट हैं ज्यादा संकीर्ण मानसिकता के धनी है जो इस प्रकार के लोगो को सपोर्ट करते है। लोग तथा सरकारी आंकडे कहते है कि इन कानूनो का गलत इस्तेमाल होता है, किन्तु देखा जाये तो वास्तव में इन कानूनो का सही रूप में उपयोग ही नहीं किया जाता है तो दुरूपयोग कहा से होगा दलित न्याय को तरसते रहते हैं नेता जो ज्यादा संकीर्ण मानसिकता के धनी है इसी बात से पता लगाया जा सकता है कि वे अपराधियों को पूरा सपोर्ट करते हैं SC/ST Act 1989 में संशोधन अध्यादेश लाया गया जो नेताओं की सकिंर्ण मानसिकता की वजह से आज भी पारित होने से अटका पड़ा है। कोई भी सरकारी अफसर जो अच्छा कार्य करता है उसे गलत कार्य के लिए धमकाया जाता है। उनके बार–बार ट्रांसफर किये जाते हैं तो नीयत और सामाजिक संर्कीणता की वजह से दलितों को अधिकार व समानता दिलाने के लिए ही संविधान में आरक्षण लागु किया गया है। किन्तु यह आरक्षण भी सरकार अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करती है। दलित चाहे हिन्दु समाज का, मुस्लिम, सिख या ईसाई धर्म में भी दलित तो दलित ही रह गया और इसका सबने इस्तेमाल किया है और कर रहे है।

आज भी सामाजिक समानता के नाम पर दलितो से मन्दिरों में चन्दा लिया जाता है किन्तु फिर भी दलितों को मन्दिरों में प्रवेश वृजित है। आये दिन ऐसे मामले प्रमुखता से सामने आते रहते हैं सरकारे भी संविधान के अनुसार समाज में समनता लाने के लिए कई योजनाऐं चला रही है। अर्न्तरजातिय विवाह करने पर सरकारी सहायता देना। किन्तु क्या ? कोई हिन्दु अपनी पुत्री, बहन की शादि एक दलित से करता है ऐसे विवाह तो प्रेम विवाह ही होते हैं। इन प्रेम विवाह करने वाले की सोच जाति व्यवस्था से ऊपर होती है तभी वे विवाह कर पाते हैं। आज के दौर में जहाँ दलित निरन्तर प्रगति कर रहा है। वही रूढ़ीवादी सोच के लोग उसमें बाधा डालने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

अगर कहीं दलित संघर्ष कर रहा है तो उसे कुचला जा रहा है। हाल ही नागौर जिले में दलितों का नर संहार किया गया, जयपुर के कोटपुतली में सिर ऊँचा करने की सजा मिली कि पानी में ही जहर घोल दिया गया। किन्तु दलित फिर भी हताश नहीं हुआ है।

व्यक्ति की सोच हर प्रकार से आगे बढने की होती है और वह हर प्रकार से संघर्ष करता है किन्तु कुछ बाधायें उसका रास्ता रोक देती है और जो उन बाधाओं को पारकर लेता है वह निश्चित ही सफल होता है। आज के दलित को बहुत संघर्ष करना है और सफलता के लिए मरना मिटना होगा।

धर्म का मर्म

स्वामी बाबा भारत

मैं एक सभा में गया था। उस सभा में अछुतों पर बहस हो रही थी। अछूत की कल्पना ही मेरे हृदय को आंसुओं से भर देती है। वहाँ पहुँचने के बाद भी मैं बहुत दुःखी और उदास था। मनुष्य ने मनुष्य के साथ यह क्या किया है ? मनुष्य–मनुष्य के बीच में अनेको दीवारें खड़ी करने वाले लोग भी धार्मिक समझे जाते हैं। फिर अधर्म क्या है? ऐसा प्रतीत होता है कि अधर्म के अडड्ों ने धर्म की पात्ताकाऐं चुरा ली है और शैतान के शास्त्र परमात्मा के शास्त्र बने हुए है।

धर्म भेद नहीं, अभेद है। धर्म द्वैत नहीं, अद्वैत है। धर्म तो दीवारें बनाते नही, मिटाते हैं। लेकिन शैतान के शास्त्र भेद ही उपजाते रहे हैं और दीवारें ही बनाते रहे हैं। उनकी शक्ति मनुष्य को तोड़ने और विभाजित करने में ही सक्रिय रही है। असल में मनुष्य को मनुष्य से अलग किये बिना न तो संगठन बन सकते हैं और नही ही शोषण हो सकता है। यदि मनुष्यता समान है और एक है, तो शोषण के मूलाधार ही नष्ट हो जाते हैं। शोषण के लिये तो असमानता अनिवार्य है, वर्ग और वर्ण आवश्यक है। वर्ग–वर्णहीन समाज तो अनायास ही शोषण विरोधी हो जाता है। मनुष्यता की समानता को स्वीकार करना शोषण को अस्वीकार करना है।

फिर मनुष्य–मनुष्य में भेद डाले बिना संगठन और संप्रदाय भी नहीं बन सकते हैं। भेद से भय आता है, द्वैत और घृणा आती है और शत्रुता पैदा होती है। संगठन मित्रता से नहीं शत्रुता से जन्मते है संगठन शक्ति देते हें। शक्ति शोषण का सामर्थ्य बनती है। इसलिये धर्म ऐसे ही छिपे–छिपे राजनीति बन जाते हैं। धर्म आगे चलता है। राजनीति पीछे चलती है। धर्म आवरण ही रह जाता है और राजनीति प्राण बन जाती है। वस्तुतः जहाँ संगठन है, संप्रदाय हैं वहाँ धर्म नहीं हैं बस राजनीति ही है।, धर्म तो साधना है। वह संगठन नहीं हैं। संगठन के अभाव में धर्म तो हो सकता है, लेकिन पुजारी, पुरोहित और उनका व्यवसाय नहीं हो सकते हैं। परमात्मा को भी व्यवसाय बना लिया गया है। इससे ज्यादा अशोभन और अधार्मिक क्या हो सकता है? लेकिन प्रचार की महिमा अपार है और सत्तत प्रचार से निकट असत्य भी सत्य बन जाते हैं। फिर जो पुजारी, पुरोहित स्वयं शोषण में हैं, वे यदि शोषण व्यवस्था के समर्थक हों तो आश्चर्य ही क्या है? इन्होंने काल्पनिक सिद्धांतों का जाल बुनकर, शोषकों को पुण्यात्मा और शोषितों को पापी सिद्ध किया है। शोषितों को समझाया गया है कि यह उनके दुष्कर्मो का फल है।

उस सभा में एक वृद्ध भी था। उसने कहा कि पुरोहित मुझे अछूत समझते हैं। क्या मैं मंदिरों में आ सकता हूँ? मैंने कहा मंदिरों में? लेकिन किसलिए? परमात्मा तो स्वयं ही ऐसे पुरोहितों के मंदिरों में कभी नहीं जाते हैं। प्रकृति से बड़ा परमात्मा का और कोई मंदिर नहीं है। परमात्मा से ऐसे पुरोहितों के मंदिरों का दूर का भी संबंध नहीं। ऐसे पुरोहितों से परमात्मा की कभी बोलचाल ही नहीं रही। क्योंकि उनके शास्त्र और संप्रदाय मनुष्य को मनुष्य से लड़ाने के केन्द्र रहें हैं उन्होनें बातें तो प्रेम की हैं और जहर घृणा

का फैलाया हे। फिर भी मनुष्य ऐसे पुरोहितों से सावधान नहीं हैं।

जब भी मनुष्य को परमात्मा का स्मरण आता है, वह ऐसे पुरोहितों के चक्कर में पड़ जाता है। मनुष्य के परमात्मा से संबंध क्षीण होने का मूल कारण यही है। ऐसा पुजारी जैसे ही मंदिर में प्रवेश करता है वैसे ही परमात्मा मंदिर से बाहर हो जाता है। भक्त और भगवान के बीच यही बाधा है। क्योंकि प्रेम किसी को भी बीच में पंसद नहीं करता है।

ऐसा ही पुजारी एक गांव के मंदिर में था। एक भोर की बात है। अभी अंधेरा ही था। जैसे ही मंदिर के द्वार खुले कि एक सज्जन मंदिर की सीढ़ियाँ चढ़कर द्वार पर पहुँच गया। वह द्वार के भीतर पैर रखने को ही था कि पुजारी क्रोध से गरजा ''रूक, रूक, अछूत पापी ! एक पग भी आगे बढ़ाया तो तेरा सर्वनाश हो जायेगा। मूढ़ ! परमात्मा के मंदिर की पवित्र सीढ़ियाँ तूने अपवित्र कर दी हैं।'' सहमे हुए सज्जन ने उठा हुआ पैर वापस ले लिया। उसकी आंखों में आंसू आ गए। वह रोता हुआ बोला हे परमात्मा, मेरा ऐसा कौन सा पाप है, जिसके कारण तेरे दर्शन मुझे नहीं हो सकते हैं? परमात्मा की ओर से उस पुजारी ने कहा ''तू जन्म से अशुद्ध है, पाप–भण्डार है।'' उस सज्जन ने प्रार्थना की ''फिर में शुद्धि के लिए साधना करूंगा, लेकिन प्रभु–दर्शन के बिना नहीं मरना चाहता हुँ।'' और फिर वर्षो तक उस सज्जन का कोई पता न चला। वह न मालूम कहाँ चला गया था। लोग उसे भूल ही गए थे और तब अचानक एक दिन वह गांव में आया। गांव के प्रवेश द्वार पर ही मंदिर था। पुजारी ने उसे मंदिर के पास से जाते देखा। एक अपूर्व तेज उसके चेहरे पर था। एक अपूर्व शांति उसकी आंखों में थी। उसके आसपास भी जैसे प्रकाश का एक मंडल था। लेकिन उसने मंदिर की ओर आंख भी उठाकर नहीं देखा। वह उस ओर से बिल्कुल निरपेक्ष और असंग दिख रहा था। लेकिन पुजारी से न रहा गया। उसने उसे पुकारा और पूछा ''क्यों रे ! क्या शुद्धि की साधना पूरी कर ली? वह सज्जन इस पर हंसा और उसने स्वीकृति में सिर हिलाया। पुजारी ने पुछा ''फिर मंदिर मे क्यों नहीं आता? वह सज्जन बोला ''महाराज क्या करूँ आकर? प्रभु ने दर्शन दिए तो कहा मेरी खोज में ऐसे पुजारी के मंदिर क्यों गया था? वहाँ कुछ भी नहीं हैं मैं तो स्वयं ही कभी ऐसे पुरोहितों के मंदिरों में नही गया हुँ और जाँऊ भी तो क्या ऐसे पुजारी मुझे वहाँ घुसने दे सकते हैं।

जन चेतना संदेश

बाबू लाल बैरवा

दलित शोषित समाज के भाईयों बहिनों देश आजाद हुए आज 68 वर्ष बीत चुके हैं, मगर दलितों पर होने वाले अत्याचारों में कमी नहीं आई और सदियों से दमन, उत्पीड़न, छुआछूत और शोषण के शिकार रहे दलितों, आदिवासियों को हजारों की कुर्बानियाँ देने के बाद कुछ अधिकार मिले है व सरकारी, गैर सरकारी क्षेत्र की कम्पनियों की नौकरियों में आरक्षण, स्कूलों, कॉलेजों के दाखिले में फीस इत्यादि में रियायत, भूमि सुधार के तहत रहने व खेती के लिए जमीनें समय–समय पर घोषित सरकारी योजनाओं के जरिये उनकी सामाजिक आर्थिक कमजोरी को दूर करने हेतु सरकार का संकल्प शामिल है।

दलितों पर होने वाले अन्याय अत्याचारों को दूर करने हेतु सरकार का संकल्प शामिल है। दलितों पर होने वाले अन्याय, अत्याचारों को सामान्य कानूनों के द्वारा रोकने में राज्य सरकारों को असफल देख हमारी संसद में सन् 1989 में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण कानून पारित किया और उम्मीद की थी कि इससे दलित व आदिवासी पर अत्याचार कम होगें व उनके अधिकार तथा सम्मान की रक्षा होगी, लेकिन यह दु:ख की बात है कि हमारी हालत लगातार बद से बदतर होती चली जा रही है। हमारी बहन–बेटियों की खुले आम इज्जत आबरू लूटी जा रही है। दूर दराज गांवों में ही नही बल्कि राज्यों की राजधानियों में भी बेटियाँ सुरक्षित नही है। पुलिस प्रशासन जिनका काम है दलितों के सम्मान व अधिकारों की रक्षा करना है, मगर वही हमारे दलित भाईयों बुजुर्गों, नौजवनों व हमारी बहन–बेटियों पर अन्याय अत्याचार करने में सबसे आगे हैं। दलितों पर अत्याचार होते हैं। उनकी रिपोर्ट ही दर्ज नहीं करते और लापरवाही से और ढिलाई से जाँच रिपोर्ट पेश करते हैं जिससे अधिकांश केसों में अपराधी बेदाग छूट जाते हैं और उसके बाद यथास्थान पर जाकर गांव में दलितों पर उत्पीड़न करते हैं।

सरकार दलितों के कानूनी और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने के बजाय लगातार ऐसी नीतियाँ अपनाती जा रही है जिससे उनकों शिक्षा, रोजगार, काम धन्धे और सम्मान सहित जीने का अधिकार खतरें में पड गया है। भूमण्डलीकरण, निजीकरण, उदारीकरण के चलते दलितों के लिए नौकरियों के लाले पड़ गये हैं। वैश्विकरण के चलते पब्लिक सैक्टर पुंजीपतियों को औने–पौने दामों में बेचकर दलितों से नौकरियों के अवसर छीन लिये है, जिससे आज दलित इंजीनियरों, डॉक्टरों तथा बी.ए., एम.ए. तथा उच्च शिक्षित होनहार बच्चे नौकरी के लिए दूर–दूर भटक रहे हैं। शिक्षा का निजीकरण दलितों पिछड़ों को शिक्षा से बाहर

करने का ब्राह्मणवादी षडयंत्र ही है। हजारों सालों से भूमि हीन धन और रोजगार के साधनों से वंचित रखे गये हैं।

यदि दलित निजी क्षेत्र में आरक्षण की मांग करता है तो उन्हें नाकारा, मैरिटहीन और न जाने क्या–क्या कह कर बदनाम किया जाता है। देश के पूंजीपति लोग जिन दलितों के कौशल, हस्तशिल्प और दस्तकारी के कामयाब नमूनों की कमाई प्राप्त कर विदेशी मुद्रा के बूते पर विदेशों से मशीन, कच्चा माल और तकनीकी आयात करके नाम और दाम कमाते हैं और दलितों को नौकरी देने के बजाय अपनी कम्पनियाँ विदेशों में ले जाना चाहते हैं और धमकी देते हैं कि तुम्हें बैठे तनख्वाह देने की बात कर खुले आम अपमान कर रहे हैं।

इसलिए वक्त को ध्यान में रखकर दलित अपने अधिकारों और मान–सम्मान, स्वाभिमान की रक्षा के लिए पुनः एकजुट हो। दलित विरोधी नीतियों के खिलाफ अपने संघर्ष में अब भारत के दलित अकेले नहीं है। वर्ष 2003 के अन्दर मुम्बई में वर्ल्ड सोशल फोरम में दुनियाँ के करीब 150 देशों से भी अधिक सामाजिक संगठनों ने आंदोलन में प्रण किया था कि वह बाबा साहेब के परिनिर्वाण दिवस पर हर साल अपने–अपने देशों में प्रदर्शन और धरने आयोजित कर दलितों के अधिकारों और सम्मान की सुरक्षा की मांग करेंगे और यह जब तक जारी रहेगा जब तक सभी समान न हो जाये। देश के बहुसंख्यक दलितों आप सब एक जुट होकर अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों और अपने ऊपर होने वाले अन्याय अत्याचारों की रोकथाम के जिम्मेदार हम स्वयं हैं। जब तक हम शोषित लोक एक जूट नहीं होगें तब तक यह अन्याय अत्याचार नहीं रूक सकते। इसलिए रूढ़िवादी, मनुवादी विचारधाराओं को छोड़कर एक जुट हों बाबा साहेब ने कहा था कि जुल्म करने वालों से ज्यादा जुल्म सहने वाले ज्यादा गुनाहगार है। अधिकार मांगने से नहीं मिलते, अधिकार छीनने से मिलते हैं।

मानवता के मसीहा परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर ने शोषित समाज को एक नया जीवन दिया है।

''बाबा साहेब के संदेश को जन जन तक पहुँचाना है।
सर्व प्रिय हमारे देश भारत में मानव सम्मानता वाद लाना है।''

''बाबा साहेब का कहना है, बच्चे बच्ची को पढ़ाना है।
दलितों मरते दम तक भी हम सब को आगे बढ़ना है।

PLUMBER CONTRACTOR

Bhagwan Sahay Bairwa
Mob. : 9829405406

All types of Sanitory Fitting Works

A-45, Nirmohi City, Keshavpura, Ajmer Road, Jaipur

Painter Contractor

हमारे यहाँ प्लास्टिक पेन्ट, वैल्वेटच
फर्नीचर पॉलिश, डिस्टैम्पर, बिरला पुट्टी,
पी.ओ.पी. आदि का कार्य उचित
रेट पर किया जाता है।

RAMDAS KATARE
9828262233

प्लाट नं. 339, वर्धमान नगर, अजमेर रोड़, जयपुर

N.S. CONTRACTOR

Specialist of All Kinds Dholpur Stones & Granite Flooring, Cleading etc.

Nirmal Singh Yadav
Mob. : 9828781976 (Raj.), 9711778646 (Noida)

Village - Nougnaw, Post-Pawta, Teh. Mahwa, Distt. Dausa, Rajasthan

PLUMBER CONTRACTOR

हमारे यहाँ सभी प्रकार की सैनेट्री फिटींग एवं
छत तुड़ाई के कार्य के लिए सम्पर्क करें।

9887936986

Brij Mohan Bairwa

Village Chuli, Post-Barwas, Teh. Toda Raisingh, Distt. Tonk (Raj.)

Shubh Laxmi Murti Art

Manufacturers & Export : Precious & Semi Precious Stone, Figure, Carving & Handicraft Items

Om Prakash Verma
9829216065

Office : 95, Opp. Wireless Office, Sanganer, Jaipur
Resi. : A-13, Shyam Vihar Colony, Kundan Nagar, Sanganer, Jaipur
Email : shubh.laxmi@rediffmail.com

ADVOCATE

Rakesh Kumar Sancheti

M.Com, LLB, D.T.L. DLL.
Advocate & Tax Consultant
Raj. High Court, Jaipur
Mob. : 9413692116

Legal • Income Tax • Sales Tax • Service Tax
Investment Consultant • Patent
Trademark • Copy Right • Food Licence

Court : Opp. of Bar Association, Session Court, Bani Park, Jaipur
Off./Res. 267/100, R.H.B. Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur

सिविल कान्ट्रेक्टर

रामदयाल गोठवाल

मो. : 9414337480

हमारे यहाँ भवन निर्माण का
कार्य कुशल कारीगरों एवं
उच्च तकनीक के साथ किया जाता है।

280, पार्श्वनाथ नगर, गाँधी विहार,
सांगानेर एयरपोर्ट के पास, टोंक रोड़, जयपुर

किशन लाल पेन्टर

हमारे यहाँ फर्नीचर एवं मकान के सभी प्रकार
के कलर, टेक्चर पेन्ट, पी.ओ.पी., पूट्टी और
फर्नीचर पॉलिस का कार्य संतोष जनक किया जाता है।

नन्द विहार कॉलोनी, रेल्वे स्टेशन रोड़, बस्सी, जिला जयपुर
मो. : 8003183651, 8952071945

CIVIL CONTRACTOR

Contact for All types of Civil Construction Work

Ram Swaroop Mahawar

9950114038, 8561804307

98, Siksha Sagar, Govindpura Road, Kala Bad
Ka Phatak, Toll Tex, Sanganer, Jaipur (Raj.)

CIVIL CONTRACTOR

Chiranji Lal
9314405026

प्लाट नं. D-43, देव नगर
मुरलीपुरा गॉव, जयपुर

AVATAR Associates

All Types of Road & Land Survey Work,
Building Layout, Demarcation
Work Using Total Station, Colony Planning,
Khasara Super in Position and
Autocad Drafting Work.

Ramawatar
Nagarwal

265/277, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur-33
E-mail : avatarassociates_ers@yahoo.com
Mob. : 9928010564, 9314645994

KRITIKA

KRITIKA DIGITALS

CONTACT FOR DEALER SHIP
Mob.:- 9950400006

E-729, 2nd Fl, Nakulpath, Opp. Jyotinagar Thana,
Lalkothi, Jaipur, Rajastha 302015

ADVOCATE

Ram Dayal Bairwa

MA, LLB, DHRM
Advocate

Rajasthan High Court, Jaipur
Mob. : 9672490810
Email : drbairwa08@gmail.com

Abm

Since 1990

Anil Building

Material & Steel Suppliers

Authorised Dealer of :
Jindal Panther & Lafarge Cement

Contact : +91 94140 31133, 94140 59480

283, Mahaveer Nagar-II, Maharani Farm, Durgapura, Jaipur-302 018
Email : abm.steel90@gmail.com

समाचार पत्रों में प्रकाशित समर्पण संस्था की गतिविधियाँ

समर्पण संस्था की स्मारिका समर्पण-2010 का विमोचन

समर्पण संस्था द्वारा 61 यूनिट रक्तदान

समर्पण संस्था की वार्षिक संगोष्ठी आयोजित

जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा सहायता करेगी समर्पण संस्था

वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की ओर से 'रन फॉर एनवायरनमेंट' का आयोजन

स्कूल, कॉलेज, एनजीओ, एनसीसी कैडेट्स के अलावा विभिन्न सरकारी और निजी संस्थाओं के लोगों ने लिया हिस्सा

योग प्रशिक्षण शिविर शुरू

बच्चों को गोद लिया

समर्पण संस्था सदस्यों ने किया रक्तदान

स्मारिका 'समर्पण- 2010' का विमोचन

'पेड़ लगाना समाजसेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा'

पेड़ पौधों की कटाई से बिगड़ रहा पर्यावरण संतुलन

'शिक्षा जीवन का आभूषण है'

महिला शिक्षा कार्यक्रम का उद्घाटन

समर्पण जल सेवा का उद्घाटन

समाज के प्रति तन-मन-धन समर्पित करें : खुराना

AC CONTRACTOR

G.B.

CORPORATION

Contact For AC Fitting, AC Pipe Fitting, AC Repairing, L.P.G. Pipe Fitting & All types of AC Work

TIN No. 08022172119

Raju Singh Bairwa
9602269803

26A, Rajeev Vihar, Mangyawas, Mansarovar, Jaipur

Samarpan Sanstha (Regd.)

Manavata Ke Liye Samarpit.....

(Registration No. 599/Jaipur-2009-10, Under Raj. Society Act. 1958)
Office : 192/38, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur (Raj.) 302033
Mobile : 9414336431, 9929225353 www.samarpansanstha.org

Photo

Application for Membership

To
President,
Samarpan Sanstha
Jaipur (Raj.)

Sir,

I wish to enroll as *Patron/Special Member/Associate Member/Student Member* of The Samarpan Sanstha.
I Sending Rs. _____ (In words _____)
by Cash/Cheque/Draft No. _____ of Bank _____ Dated _____
as fee accordingly. Oblige me by accepting Membership.

Personal Details

1. Name : .....
2. Father's /Husband Name : .....
3. Date of Birth : .....
4. Date of Marriage : .....
5. Office Address : .....
   : .....
6. Occupation : .....
7. Permanent Address : .....
8. Phone/Mobile No. : .....
9. Email Address : .....

I agree to abide with the rules and objects of the Samarpan Sanstha and assure you my full and sincere co-operation in achieving the goal set out by the Samarpan Sanstha.

Date :
Place :

Signature

FOR OFFICE USE

Received Rs. ..... Vide Receipt No. ..... Date .....
accepts the Chief Patron/Patron/Associate Member/Student Member of Shri/Smt./Ms/.....
..... Membership No. ..... Date .....

President/Vice President

Sanstha Authorized Member

Note : 1 Membership fee will be accepted by cash/Cheque/draft in favour of "Samarpan Sanstha" Payable at AXIS BANK LTD. A/c No. 909010036941934, IFSC Code - UTIB0000433 at Jaipur only along with two copies of Passport size Photograph. (Membership Fee Patron - 11000/-, Special Member - 5100/-, Associate Member - 1100/-

Form Back Page
Blank

!! Jai Shri Krishna !!

Ruchika Creation

ALL TYPES OF COMPUTER DESIGNING & PRINTING WORK

- MAGAZINE
- BROCHURE
- POSTER
- PAMPHLET
- VISITING CARD
- BILL BOOK
- LETTER HEAD
- FLEX
- VINYL
- GLOWSIGN BOARD
- Cloth Banner
- ID CARDS
- SHADI CARD
- INVITATION CARD

1621, Shol Bhawan Ki Gali, Near Sai Baba Temple,
Behind Mehta Chamber, Choura Rasta, Jaipur
E-mail : ruchikacreation14@gmail.com, nitinnirwan03@gmail.com
Phone : 0141-4043430 • Mobile : +91-97993-21626, 7073524597

With the Best Compliments From

कृष्णा Construction Co.

All Types of Civil Construction Work

Madan Lal Verma

Plot No. - 15, Tirupati Balaji Nagar,
Near Surajbhan School, Sanganer, Jaipur
Mob. : 9414442285, 9887039011